



निर्गमन







वे पीछे चलने लगे जब तक वे लाल समुद्र के सामने के पहाड़ों पर न पहुँचे।
वहाँ उन्होंने छावनी डाला और साथ ही चर चा करने लगे की इस बशाल
जल को कैसे पार करेंगे।



अपने बेटे के लिए विलाप करने के बाद फरीन का
क्रोध पहले से ज्यादा भड़क उठा। उसने अपने
गुलामों को क्यों जाने दिया ?



रथों को तैयार करो।
यहूदियों का पीछा करो।
उन्हें वापस लाओ या सब
को मार डालो।

जैसा आप कहें,
महाराज।



जब मसिरियों ने असहाय यहूदियों को देखा और उन वपितृत्वियों को याद किया जो मूसा के कारण मसिरियों के ऊपर पड़ी थी तो वे उन्हें मारने के लिए तैयार थे।



देखो, मसिरी सेना आ रहे हैं! हम इस जंगल में फस चुके हैं!

मूसा ने हमें यहाँ मरने के लिए लाया है। यह बेहतुर था की हम गुलामी जैसे जी रहे थे वजाय इसकी हम इस भयावह स्थान में मारे जाएँ।



हमारे दोनों तरफ पहाड़ हैं और हमारे सामने समुद्र। हम फस चुके हैं।

अब कुछ भी नहीं है जिसके द्वारा परमेश्वर हमें बचा सकता है।

जहाँ तुम खड़े हो वहीं खड़े रहो। परमेश्वर हमें सामर्थी रूप से बचा लेगा।



परमेश्वर ने फरीन के दिल को एक और बार कटोर कर दिया है। आज के बाद तुम फिर कभी इस मसिरी सेना को दोबारा नहीं देखोगे।





फरिश्तों के 600 सबसे अच्छे रथ और कई और रथों को मिलाकर मसीही सेना, यहूदियों को बंध करने के लिए निकल पड़ी ताकि उन पर हुए वस्त्रियों और तबाहियों का बदला ले सकें।



वहाँ मसीह में कोई कब्र नहीं था ?

हमने तुमको कहा था -
की हमें अकेला छोड़ दो
और हमें मसीहियों
की सेवा करने दो !

यह तलवार
से मरने से तो
अच्छा था !

दुड़ खड़े रहो और
परमेश्वर के छुटकारे
को देखो।





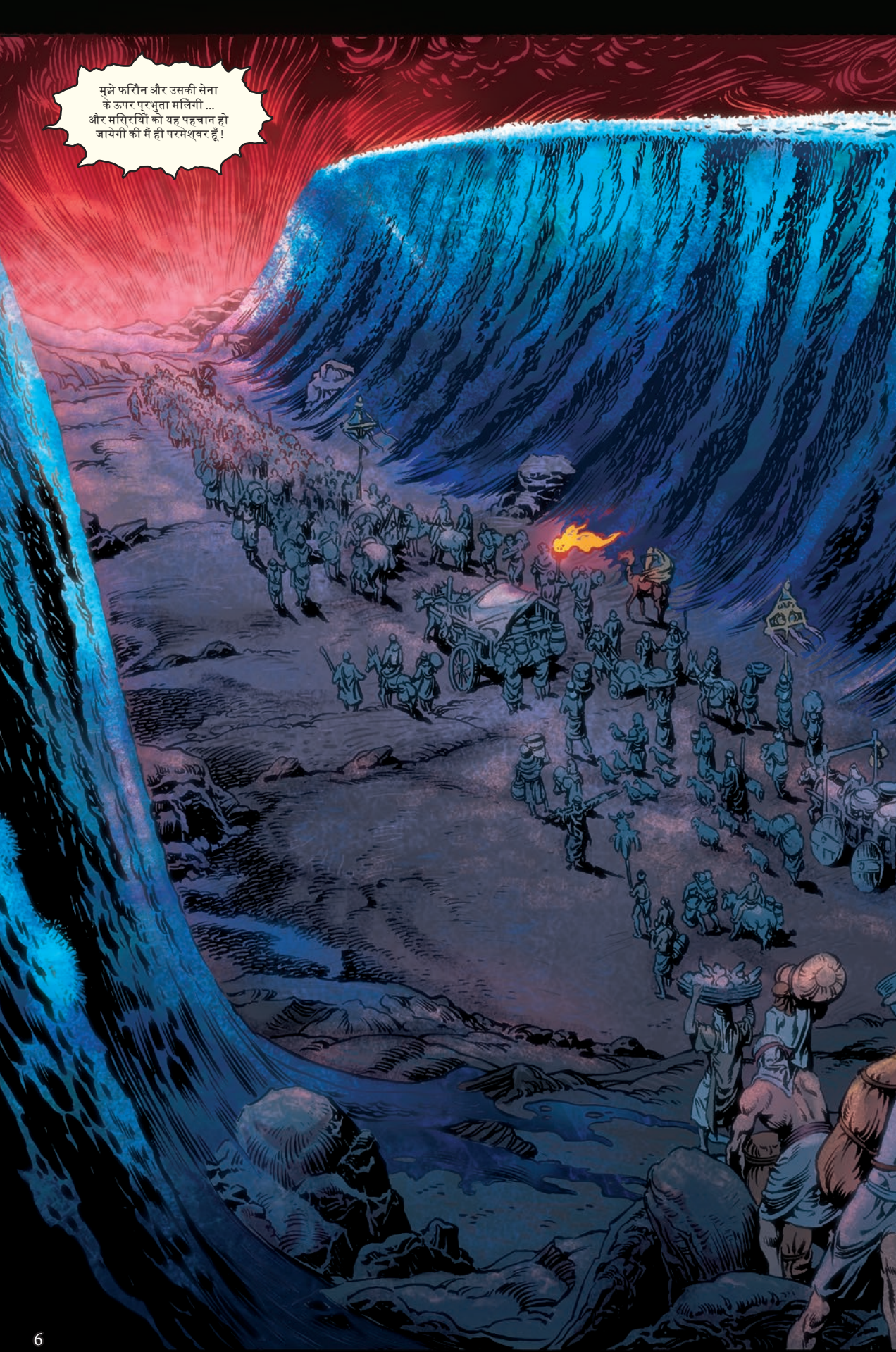
पूरी रात भर बादल एक तरफ अन्धकार लाता और दूसरी तरफ रौशनी। इसलिए पूरी रात भर दोनों तरफ से लोग एक दुसरे के करीब नहीं आ सके।



अपने लाठी को ऊपर उठाओ और अपने हाथ को समुद्र की ओर बढ़ाओ और उसे वभाजित कर दो, ताका इस्राएल के लोग समुद्र के बीच में सूखी भूमि में हो कर जाएँ।

और परभु ने एक तेज पूरबी वायु बहाया ...

मुझे फरौन और उसकी सेना
के ऊपर प्रभुता मिलेगी ...
और मिस्रियों को यह पहचान हो
जायेगी की मैं ही परमेश्वर हूँ!











पूरी मसिरी सेना ...
खत्म हो गयी।

परमेश्वर के लिए
गीत गाओ, क्योंकि वो
महाप्रतापी है।

घोड़ों और उसके
सवारों को उसने समुद्र पे
डाल दिया है।



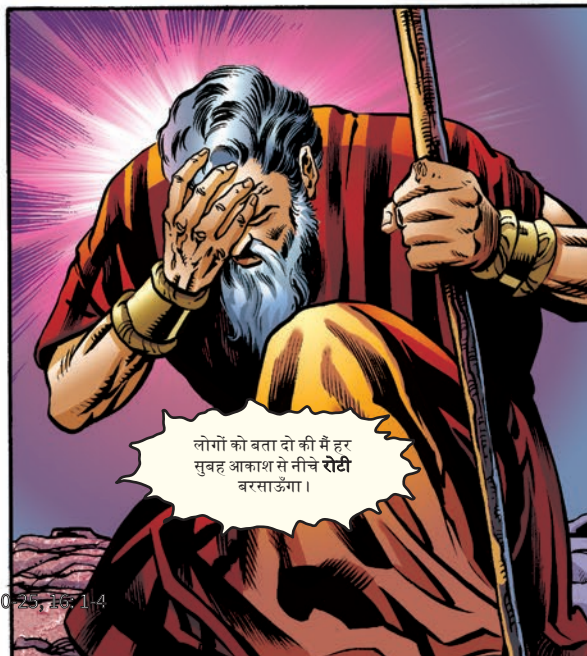
इस्राएली लोग तीन दिने रेगसितान में
बना पानी के सफर किया।

हम इस पानी
को नहीं पी सकते हैं -
यह कड़वा है।

लेकिन परमेश्वर ने मुसा को पानी में एक लकड़ी का
टुकड़ा डालने के लिए अगुवाई किया और फिर पानी
मीठा हो गया।

अगर हम मसिर में ही
मर जाते। तो कम से कम हमारे
पास भरपूर भोजन तो होता !

तुम मेरे वरिद्ध
शकियत नहीं कर
रहे हो, बल्कि तुम
परमेश्वर के वरिद्ध
कर रहे हो।



लोगों को बता दो की मैं हर
सुबह आकाश से नीचे रोटी
बरसाऊंगा।



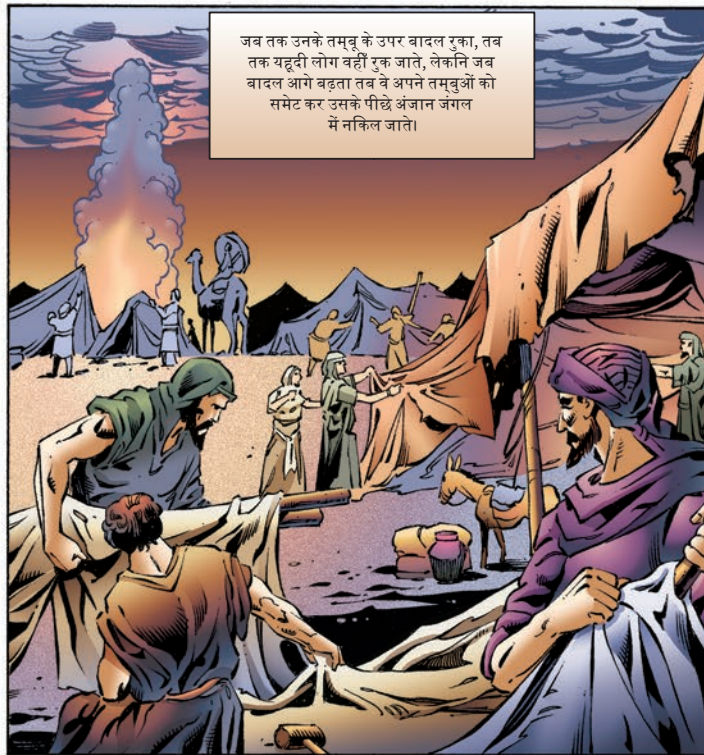
स्वर्ग से रोटी, जैसा
मूसा ने कहा था वैसे ही।

हमने कभी
भी शक ही क्यों
किया ?

ओह, यह स्वादपि्ट
है। इसका स्वाद मधु
जैसा है।



जब तक वे जंगल में थे, परमेश्वर ने
उन्हें मनुष्य खलाया।



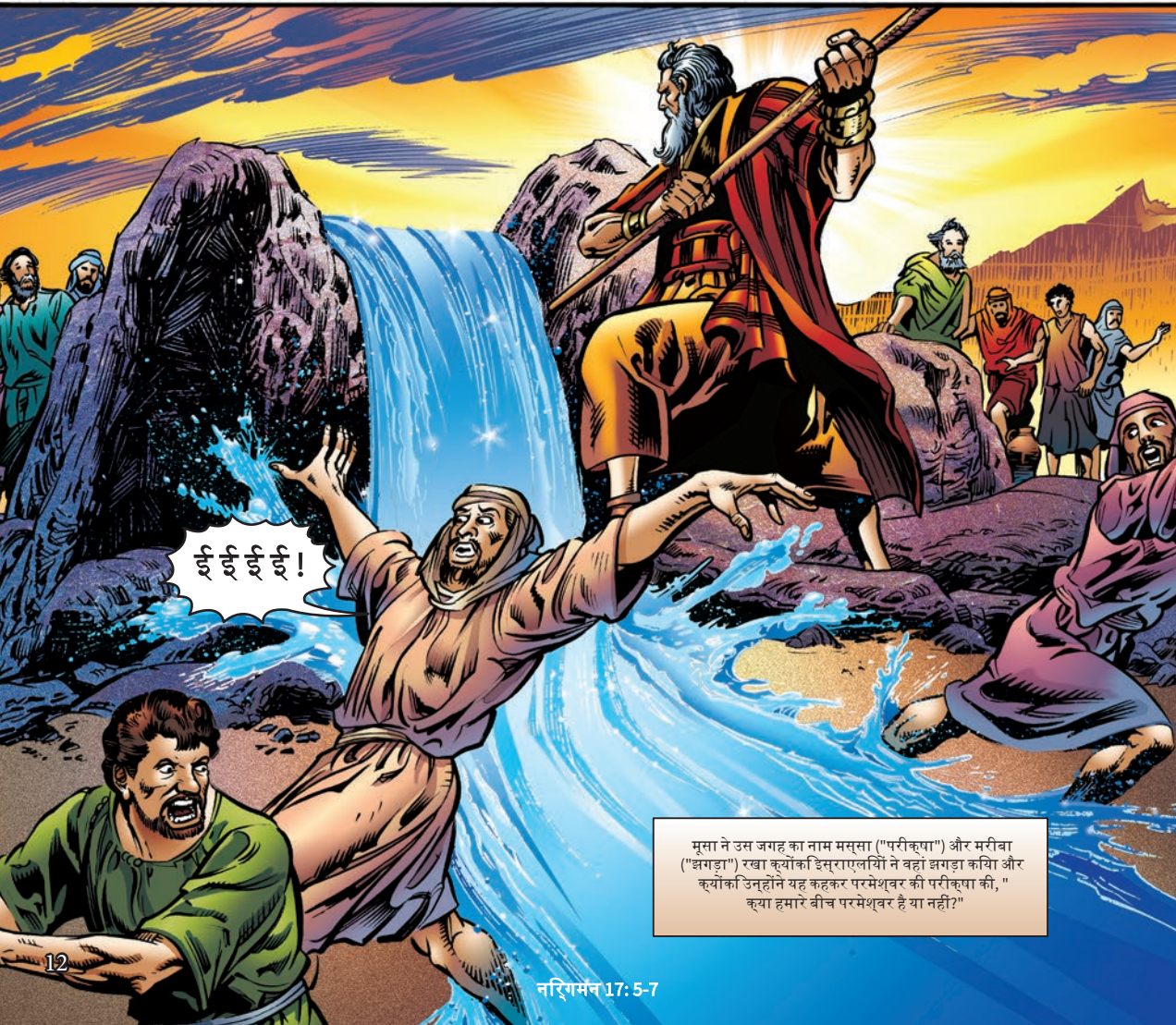
जब तक उनके तम्बू के उपर बादल रुका, तब
तक यहूदी लोग वहीं रुक जाते, लेकिन जब
बादल आगे बढ़ता तब वे अपने तम्बूओं को
समेट कर उसके पीछे अज्ञान जंगल
में नकिल जाते।



लेकिन एक ऐसा समय आया जब उनके
पास पानी समाप्त हो गया।

परमेश्वर हमारे
साथ है या नहीं?

मैं जाऊंगा
और परमेश्वर
से बातें करूंगा।



वह पानी नदी
जैसे बहने लगा।



लेकिन पानी ही
केवल उनकी
समस्या नहीं थी ...



देखो -
रेगसिस्तान में।

वे अमालेकी ...

कोई बीड़ के
जाओ और मूसा
को बताओ।



उन्हें लगता
है कि वे हमें
यहाँ फंसा
दिए हैं।

यहोशू, लड़ाई के
लिए अपने सबसे अच्छे
आदमियों का चयन करें।

कल मैं पहाड़ी के ऊपर,
परमेश्वर की लाठी को
अपने हाथों में लिए
खड़ा रहूँगा।





मूसा ने पहले अपनी पत्नी और दोनों बेटों को अपने ससुर यतिरो के पास भेज दिया था जब फरिोन के साथ संघर्ष चल रहा था, लेकिन अब वे वापस आ गए।



मूसा अपने परिवार की वापसी में आनंद मनाते हुए, यतिरो को उन सब बातों का ब्यौरा दिया जो परमेश्वर ने उन्हें मसिरियों के हाथ से बचाते हुए किया था।



अब मैं जान गया हूँ की परमेश्वर सारे देवताओं में महान है, क्योंकि उसने ऐसा उन लोगों के साथ किया जो परमेश्वर के लोगों को नन्दिता किये थे।





अगले दिनि मूसा अपने न्याय करने वाले स्थान पर बैठा और बबिदाओं और मुकदमों का नबिडारा करने लगा।



तुम लोगों के लिए ऐसा क्यों कर रहे हैं?

लोगों मेरे पास परमेश्वर की ड्यूटा जानने के लिए आते हैं।

तुम जो कर रहे हो वह तुमको सर्फ थका देगा - तुम इतना सब कुछ अकेले नहीं संभाल सकते।



तुम्हें परमेश्वर के सामने लोगों का प्रतनिधित्व करना अवयशक है।

उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं और कानून सखिओं और यह भी की कैसे जीना है।

परमेश्वर का भय मानने वाले आदमियों को नयिकृत करो, परन्तु जो कठनि मुकदमों में हैं उनको वे तुम्हारे पास ले आ सकते हैं।



तब तुम इस तनाव को संभाल पाओगे, लोग भी संतुष्ट होंगे और.....

..... मेरी बेटी और पोते एक लम्बे समय तक अपने पति और पतिता के साथ आनंद मना सकते हैं।

जबकि वह एक महान राष्ट्र का अगुवा था,
फरि भी उसने अपने ससुर की सलाह को मान लिए।

अब हमें एक नरिणय के
लिए इतने लंबे समय तक
इंतज़ार नहीं करना पड़ता।

अधिकारी भी
अच्छी तरह
न्याय करते हैं...



पूरभू सर्वशक्तमान
यकीनन आपके साथ है।

धन्यवाद, मेरे
वशिवासयोग्य
मतिरि।

और मूसा ने अपने ससुर को शान्ति के
साथ उसके घर वापस किया।



उन्हें समरण कराओ जो कुछ
मैंने मसिरियों के साथ किया,
की कैसे मैंने उन्हें छुड़ाया, खलिया
और चट्टान से पानी पलिया।

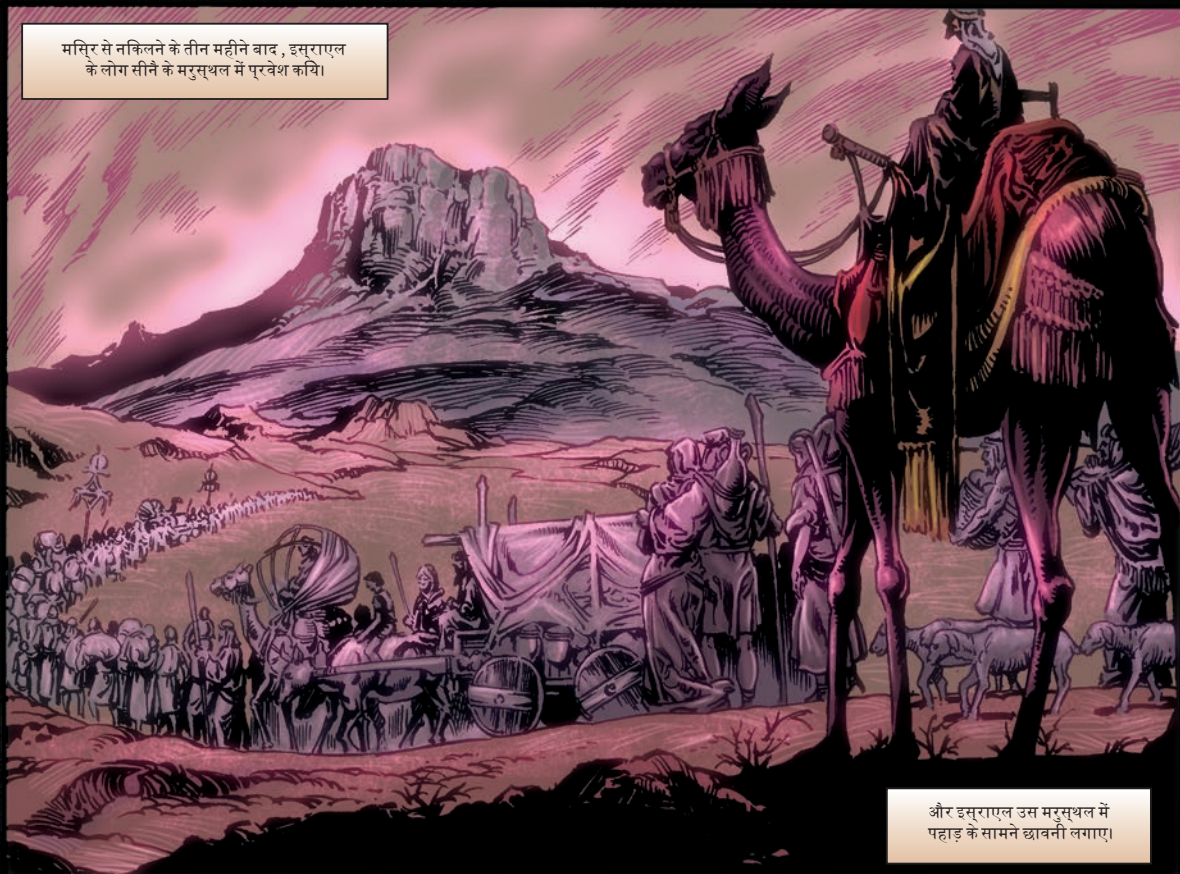
फरि से, बादल आगे बढ़े, और यहूदी अपने सामान समेट कर
उसके पीछे जंगल में सीने नामक पहाड़ की ओर चले।



अगर वे मेरे आज्ञाओं को
मानेंगे, तो वे मेरे वशिष लोग होंगे,
जो पृथ्वी पर हर दूसरे देशों से ऊँचे
होंगे। और, वे एक याजकों का
साम्राज्य होंगे।

मूसा, जब मैं तुमसे बातें करूँ,
तो मैं एक घने बादल में आऊँगा
ताकि लोग जानें की वो मैं हूँ।

मसिर से नकिलने के तीन महीने बाद, इस्राएल के लोग सीनै के मरुस्थल में प्रवेश किये।



और इस्राएल उस मरुस्थल में पहाड़ के सामने छावनी लगाए।

उसके पश्चात मूसा परमेश्वर के पास ऊपर गया, और परमेश्वर ने उसे पहाड़ में से जवाब दिया।

तुमने मुझे देखा की मैंने मसिर में क्या किया है, और मैंने तुमको कैसे उकाब के पंखों में उठाया और अपने पास ले आया।

अब अगर तुम मुझे पूरी रीत से मानोगे और मेरी वाचा को थामे रहोगे, तो सारे देशों में से तुम मेरे नजि धन ठहरोगे।



मूसा पहाड़ में से नीचे उतरा
और लोगों को परमेश्वर ने जो
कुछ बोला वह सब बताया।

हम आज्ञा मानेंगे। हम जो कुछ
परमेश्वर ने कहा है वह सब करेंगे।

तो जाओ, अपने कपड़े
और अपने शरीरों को धो;
परमेश्वर की आराधना करने
के लिये खुद को तैयार करो।
अब से तीन दिन में परमेश्वर
तुम्हें दर्शन देंगे।

जैसा कि परमेश्वर ने आज्ञा दी थी, तीसरे दिन सारे लोग पहाड़ के सामने
एकत्रित हुए और परमेश्वर के बोलने का इंतजार करने लगे।
एक घाना बादल छा गया और फरि ...

मूसा, पहाड़ पर
ऊपर आओ।

मैं, सर्वशक्तिमान हूँ,
जसिने तुम्हें मसिर से नकाल लाया है
। जब तुम नीचे जाओ, तो इसपहाड़
के चारों ओर बाड़ लगाओ।

यदि अन्य लोगों में से कोई भी इस
पहाड़ को छुएंगे वे मर जाएंगे। मैं तुम्हें दस आज्ञा
दूंगा जो तुम अनिवार्य रूप से लोगों को बताओगे।



मुझे छोड़ और किसी
को ईश्वर न मानना।

अपने लिए कोई मूर्त खोद
के न बनाना।

परमेश्वर का नाम
व्यर्थ में न लेना।

सब के दिन को पवित्र मानना।

अपने पिता और
माता का आदर करना।

खून मत करना।

व्यभिचार न करना।

चोरी नहीं करना।

दूसरों के लिए झूठी
साक्षी न देना।

अन्य व्यक्ति के किसी भी
चीज़ का लालच न करना।

परमेश्वर ने सभी लोगों के लिए मूसा को कानून भी
दिए जिससे नपिष्कृता स्थापति हो।

व्यक्तिगत चोट।

"कोई भी व्यक्ति एक आदमी को
मारता है और मार डालता है वह
यकीनन मार डाला जायेगा।"

"अगर वह इसे जानबूझकर
नहीं करता है, तो वह मेरे
उहराए हुए एक शरण के
स्थान पर भाग सकता है।"

सामाजिक उत्तरदायित्व।

"एक बधिवा या
एक अनाथ का
फायदा न उठाओ।"

संपत्ति का सुरक्षा।

"अगर एक आदमी एक बैल और
भेड़ को चुराता है और उसे मार
डालता है या बेच देता है, तो
उसे यकीनन बैल के बदले पांच
बैल और भेड़ के बदले चार
भेड़ भर दे।"

किसी परदेशी से
दुरव्यवहार या पीड़ा न
दो, क्योंकि तुम भी मस्िर
में परदेशी थे।

"कंगाल का न्याय देने में
कुटलिता न करना।"

"गलत काम करने में भीड़
का अनुसरण न करना।"

क्योंकि वह पवतिर था, परमेश्वर ने लोगों को निर्देश भी दिया कि उन्हें उसकी आराधना कैसे करें ...

भेंट में केवल स्वस्थ बछड़ा चढ़ाना, कभी भी एक बीमार नहीं।

उस पर तेल और धूप उड़ेलना यह सुगंध परमेश्वर के लिए मधुर है।

परमेश्वर ने उन्हें स्वस्थ रहने के लिए भी आदेशों को दिया।

आठवें दिन में, पुरुष संतान का खतना होना चाहिए।

इसे अवश्य ही अलग रहना होगा।

इसके बाल सफेद हो गए हैं और इसका त्वचा कच्चा है - यह एक गंभीर त्वचा रोग है।

मेरे वशिरामदनि को माना करना, और मेरे पवतिर स्थान का भय नरितर मानना । मैं यहोवा हूँ।

न्याय में कूटलिता न करना, और न तो कंगाल का पक्ष करना और न बड़े मनुष्यों का मुँह देख बचिर करना, एक दुसरे का न्याय धर्म से करना ।

पवतिर बनो, क्योंकि मैं यहोवा, तुमहारा परमेश्वर, पवतिर हूँ।

मूसा पहाड़ में से नीचे उतरा और इजराइल के सत्तर अंगुवां को परमेश्वर की आज्ञाओं को बताया।

वे अच्छे आज्ञाएं हैं।

परमेश्वर ने जैसा बताया मूसा ने उस सबको लखि कर रख दिया। परमेश्वर की आत्मा ने उसे कोई भी गलती न होने के लिए मदद किया।

परमेश्वर ने मूसा को बलदान चढ़ाने के लिए आज्ञाओं को दिया।

सभी पापी थे, मृत्यु के लायक, परन्तु परमेश्वर अनुग्रहकारी है।

उसने छुटकारे के लिए एक मार्ग प्रदान किया। एक नरिदोष मेमने के बल के द्वारा और उसके लहू के राष्ट्र पर छड़िकाव के द्वारा, परमेश्वर उनके पापों को ढांप देगा।

जब उसने समाप्त कर दिया, तो वह लोगों को एकत्रित किया और परमेश्वर के वचनों को उनको पढ़ कर सुनाया।

परमेश्वर ने जो कुछ कहा है वह अच्छा है, और हम इसे मानेंगे।

अतः इस्राएल के राष्ट्र ने परमेश्वर के साथ एक वाचा बाँधी। वह उनको आशीष देता, जीवन देता, और उनके शत्रुओं से छुटकारा देता, और वे उसकी आज्ञाओं को मानने में आज्ञाकारी होंगे और धर्म में चलेंगे।

अब तुम्हारे पापों को ढांपा गया है, तुम सत्तर मेरे साथ ऊपर पहाड़ पर चलो और तुम परमेश्वर की महिमा को देखोगे।

अतः, इस्राएल के सन्ततर अगुवे मूसा के पीछे पहाड़ पर चढ़े जहाँ परमेश्वर ने मूसा से बात की थी।

अचानक, उनके सामने परमेश्वर का सहिासन प्रकट हुआ।

परमेश्वर की महिा!

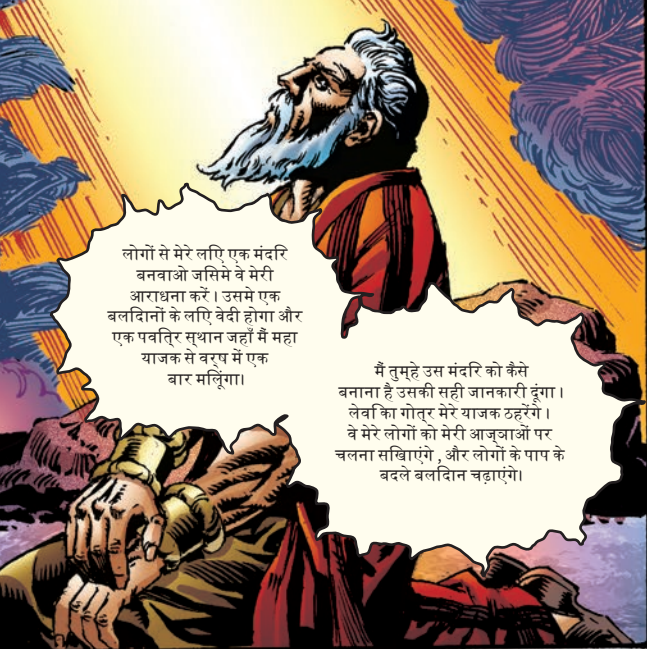
परमेश्वर ने मूसा और यहोशू को उसके साथ पहाड़ पर बुलवाया।

तुम यहाँ हमारे वापस आने का इंतज़ार करो।

हारून और दूर तुम्हारे साथ हैं और यदि किसी के पास मुकदमा है तो वे इनके पास जा सकते हैं।

नीचे लोगों को सीनै परबत पर परमेश्वर की महिा भयंकर आग के रूप में दिखाई दे रही थी।

और मूसा उस पहाड़ पर चालीस दिन और चालीस रात ठहरा।



लोगों से मेरे लिए एक मंदिर बनवाओ जिसमें वे मेरी आराधना करें। उसमें एक बलदानों के लिए वेदी होगा और एक पबतिर स्थान जहाँ मैं महा याजक से वरप में एक बार मलूंगा।

मैं तुम्हें उस मंदिर को कैसे बनाना है उसकी सही जानकारी दूंगा। लेवा का गोत्र मेरे याजक ठहरेंगे। वे मेरे लोगों को मेरी आज्ञाओं पर चलना सिखाएंगे, और लोगों के पाप के बदले बलदान चढ़ाएंगे।



परमेश्वर ने मूसा को दो पथ्वर की पट्टियों दी जसिमें परमेश्वर की ऊंगली के द्वारा दस आज्ञाएं लिखी हुई थी।



यह हफ्तों पहले की बात है जब मूसा उस पहाड़ के आग में गायब हो गया था। वह अब तक मर चुका होगा।

हम इस जंगल में हमेशा के लिए तो नहीं रह सकते।

हमें जैसा मूसा ने नेतृत्व किया वैसे ही एक भगवान चाहिए नेतृत्व करने के लिए।



हारून ने लोगों की इच्छा को पूरा किया और एक सोने का भगवान बनाने में उनकी मदद किया।

यह है तुम्हारा ईश्वर जिसने तुम्हें मसिर देश से निकाल लाया है। कल हम एक उत्सव की घोषणा करेंगे और ईश्वर की आराधना करेंगे।

हारून जानता था की वह मूर्ती परमेश्वर नहीं था, परन्तु वह लोगों से डरता था।

लोगों ने उस बछड़े के लिए होमबर्लि चढ़ाया और पीने और मौज़ करने लगे।

परमेश्वर ने मूसा से कहा, "अब जाओ। लोगों ने एक महा पाप किया है। वे एक मूर्ती के आगे दंडवत किये हैं। मैं उन सभी को नष्ट कर दूंगा। उनके दिल कठोर हैं। वे धर्मिकता में नहीं चलते हैं।"

* बछड़े की मूर्ती बनाने में, इस्राएलियों ने परमेश्वर द्वारा दणि हुए पहले तीन आज्ञाओं का उल्लंघन किया था।



वहाँ छावनी में
युद्ध की ध्वनि है।

यह वज्रिय की
ध्वनि नहीं है, यह हार
की भी ध्वनि नहीं है; यह
गाने का आवाज़ है।



तुमने परमेश्वर की
आज्ञाएं तोड़ दी है।



मूसा ने उन पथथर की पट्टियों को तोड़
दिया जसि पर आज्ञाएं लखी हुई थी।



क्या उसने नहीं कहा था की
उसके अलावा किसी को
परमेश्वर करके न मानना। क्या
एक मूर्खी जसि तू खुद अपने
हाथों से बना सकते हो वह तुम्हारा
सरिजनहार हो सकता है ?

मूसा ने उस सोने के बछड़े को जला कर,
बारीक पीस दिया, उसे पानी में मलिया
और लोगों को वह पानी पिलाया।



तुम्हारे साथ
इन लोगों ने ऐसा
क्या किया की
तुमने इनको इतने
महा पाप में आगे
बढ़ाया ?

मूढ़ने नाराज
नहीं हो - आप इन
लोगों को जानते
हैं और यह भी
की यहलोग
कतिने दुष्ट हैं।



हम लेवी यहोवा का
अनुसरण करेंगे।

यदि तुम यहोवा के
पक्ष में हो तो मेरे साथ खड़े हो।
यदि तुम मसिर के देवताओं को
दण्डित करोगे तो जहाँ खड़े हो
वहीं खड़े रहो।

अब अपनी तलवारें लो और
उन सबको मार डालो जो
मूर्तियों की आराधना करते हैं।

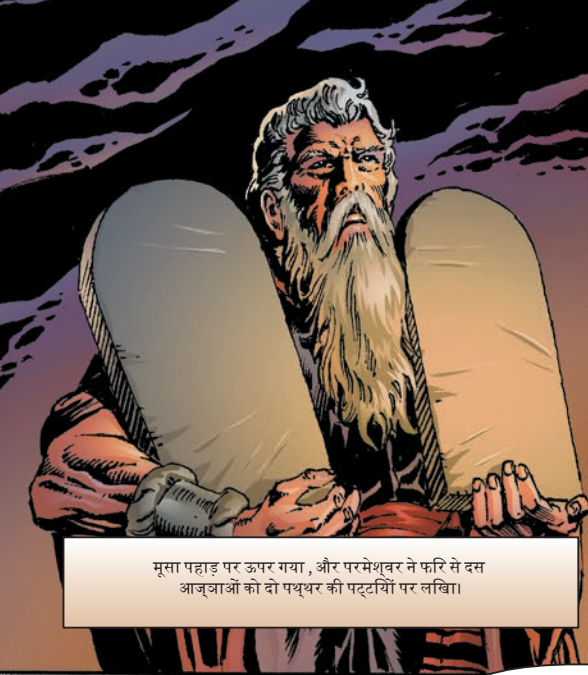


उस दिन 3,000
लोग मर गए।

टुकड़े !

नहीं !

ई ई याह !



मूसा पहाड़ पर ऊपर गया, और परमेश्वर ने फरि से दस आज्ञाओं को दो पथथर की पट्टियों पर लिखा।



जब तुमने पाप किया, परमेश्वर ने मुझसे कहा की वह तुम सबको मार डालेगा, परन्तु मैंने तुम्हारे लिए प्रारथना किया, और वह तुम्हारे पापों को दूर कर देगा। वह यकीनन अनुग्रहकारी और माफ करने वाला है।



परमेश्वर ने एक मंदिर बनाने के लिए निर्देश दिया है। वह हमें वहां मलिया। चूँकि हम सब पापी हैं, परमेश्वर ने एक रास्ता तैयार किया है जिसके द्वारा हम उसके समीप आ सकते हैं।

प्रतदिनि बैबयों द्वारा रक्त बलि चढ़ाया जायेगा। हर साल एक बार, उस रक्त को बाचा के संदुक पर लगाया जायेगा। वह हमारे पापों को दूर कर देगा। यह परमेश्वर का माफ करने का तरीका है।

मंदिर निर्माण का काम खतम हो गया, और याजक प्रतदिनि बलि चढ़ाने लगे। जब परमेश्वर उनके विश्वास को देखा, तो वह उनके पापों को उनसे दूर कर दिया।



परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर जो कुछ किया उसके बावजूद लोग परमेश्वर के विरुद्ध अपने कठिनाइयों के वणिय कुड़कुड़ाने और शिकायत करने लगे।

इतना सब सरिफ इस वायदे के लगे की परमेश्वर हमारे साथ होगा।

हम नहीं जानते की हमें कब पानी मलिगा - हम सबके शरीर शायद जल्द ही इस सुनसान-रेगस्तान की जमीन पर पड़े होंगे।



हमें कभी नहीं ...

ईई ओह!

आग! मूसा को बुलाओ!



मूसा, मूसा - आओ और हमें बचाओ! स्वर्ग से आग हमारे तम्बू पर गरिरही है।

जब मूसा ने परमेश्वर से दोहाई दी तब वह आग गरिना बंद हो गया परन्तु लोगों के कुड़कुड़ाने के कारण तम्बू के सरहद सब जल गए।



और उस जगह का नाम तबेरा (जलन) कहा जाता था।

कुछ लोग उस भोजन के बारे में कुड़कुड़ाने लगे जसि परमेश्वर ने अद्भुत रूप से लोगों को प्रदान किया था।



मैं इस मन्ना को खा कर थक चुका हूँ।

हर दिन वही चीज।

लोग उसे बटोरते थे, और उसे अटकी तरह कुटते थे, उबालते थे और फिर उसके रोटी बनाते थे- और उसका स्वाद तेल में बने हुए पुए के सामान था।*



*मन्ना रात को ओस के साथ गरिता था।



ओह, वे पसंदीदा मछलियों जसि हम मसिर में बड़े चाव से खाते थे।

और वे खीरे, और खरबूजे, और गन्धन, और पुयाज और लहसुन भी!

परन्तु अब तो हमारी साड़ी शक्ति चली गयी है, और हर दिन हमें इस मन्ना के अलावा कुछ नहीं दखिता है।

मूसा ने लोगों को तम्बू के द्वार पर खड़े हो कर कुड़कुड़ाते सुना, और वह बहुत अप्रसन्न हुआ।

... लेकिन परमेश्वर क्रोध से भर गया था।



मैंने आपको अप्रसन्न करने के लिए क्या किया है की आपने ऐसे लोगों का भार मुझ पर डाल दिया है ?

क्या वे मेरे बच्चे हैं ?
क्या मैं उनका पिता हूँ ?



क्या मुझे इन्हे दूध पीते शिशुओं की तरह लेकर चलना पड़ेगा जब तक हम वायदे के देश में न पहुँच जाएँ ?



मैं अकेला इन लोगों का भार नहीं संभल सकता ! यह भार मेरे सहने से बाहर है !

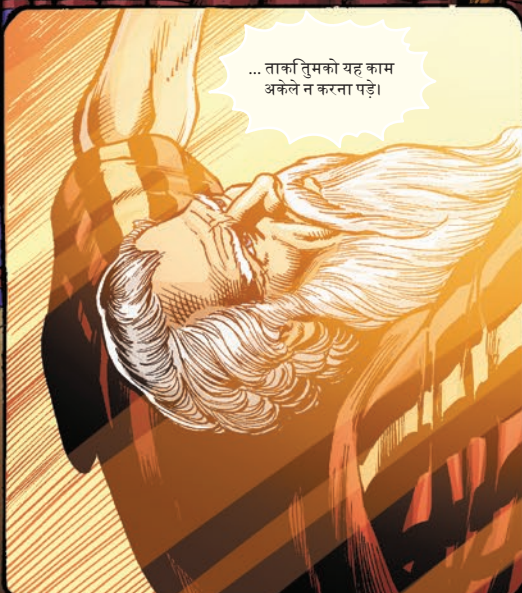
यदि आप मुझसे इसी तरह का व्यवहार कर रहे हैं, तो कृपया मुझे अभी मार दें ।



इस्राएल के सत्तर अगुवों को मेरे पास इकट्ठा करो; और उन्हें मंदिर में अपने साथ लाओ । मैं वहाँ नीचे आ कर तुमसे बात करूँगा ।



मैं तुझ में जो आत्मा है उसमें से कुछ लेकर उनमें भी समवाऊँगा ...



... ताकि तुमको यह काम अकेले न करना पड़े ।

लोगों को बोल की
अपने आपको पवर्तुर करें -
क्योंकि किल उन्हें मांस
खाने को मलिया।

उनसे कहना की मैंने
उनका शकियत
करना सुना है।

वे इसे खा सकते हैं,
बस एक दनि या दो के
लिए नहीं, या पांच या
दस या बीस दनि के
लिए भी नहीं!

पूरे एक महीने के लिए वे मांस
खाएंगे जब तक की वे अपने नाक
से उसको उलटने न लगे -
क्योंकि उन्होंने यहोवा जो
तुम्हारे बीच में यहाँ है उसे
इंकार किया है।

600,000 पुरुष महलाएं
और बच्चे हैं - और फरि
भी आप उन्हें एक पूरे
महीने के लिए मांस का
वायदा करते हैं!

अगर हम अपने
सभी पशु और
पक्षी को घाट करें,
तब भी हमें पुरा
नहीं होगा!

हमें आपके इस वायदे
को पूरा करने के लिए
समुद्र की सारी
मछलियों को पकड़ना
होगा!

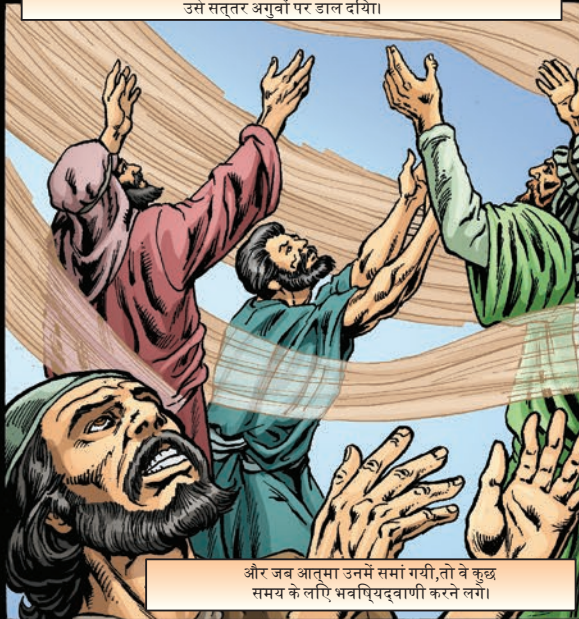
क्या मैं
कमज़ोर हूँ?

अब तुम देखोगे
की मेरा वचन पूरा
होता है या नहीं!

जब मूसा लोगों के सामने परमेश्वर ने जो कुछ कहा उसे दोहराया, फिर उसने सत्तर अंगुठों को इकट्ठा किया।



और परमेश्वर ने उस आत्मा को लिया जो मूसा पर था और उसे सत्तर अंगुठों पर डाल दिया।



और जब आत्मा उनमें समा गई, तो वे कुछ समय के लिए भवपियद्वाणी करने लगे।

दो लोग तम्बू में ही थे, और जब आत्मा उनमें समाया, तब वे वहाँ भवपियद्वाणी करने लगे।



मुझे यह मूसा को बताना आवश्यक है।

वे दोनों व्यक्ति भवपियद्वाणी कर रहे थे, और वे तुम्हारे साथ नहीं थे।



क्या तुम मेरे कारण जलन कर रहे हो ?

मैं केवल यही आशा करता हूँ की सारे परमेश्वर के लोग भवपियद्वाक्ता होते, और यह की परमेश्वर अपनी आत्मा उन सब पर डालता !

उस रात परमेश्वर ने एक हवा भेजी जो समुद्र में से बटेर को ले आया।



जहां तक कोई एक दिन में चल सकता था वहां तक कम ऊंचाई में उड़ने वाले बटेर थे।

वहाँ इतने बटेर थे की जसिने कम से कम बटोरा वह भी 10 होमेर बटोरा।



आखरि कार - मांस!

मैं इसे खाने के लिए बेताब हूँ।

लेकिन जब की लोग मांस को खा ही रहे थे परमेश्वर का क्रोध उनके वरिद्ध भड़का और उसने बड़े तादाद में मरी के द्वारा मार डाला।



उस जगह का नाम "तृष्णा की कब्रें" रखा गया, क्योंकि वहां वे लोगों को दफनाया गया जनिहोंने मांस और मसिर के लिए तृष्णा किया था।

और उन लोगों ने वहां से सफर करके हसेरोथ पहुंचे, जहाँ वे कुछ दिन रहे।





"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."



SUPERBIBLE.TV